स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की वृद्धि दर 9 प्रतिशत

जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण तक बेहतर पहुंच

नई दिल्ली 26 मार्च. देश का स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र वार्षिक आधार पर लगभग नौ प्रतिशत की दर से मजबूत वृद्धि दर्ज हासिल कर रहा है.

वित्त मंत्रालय के अनुसार 2024-25 में कुल स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा. मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार यह वृद्धि बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण तक बेहतर पहुंच और चिकित्सा खर्चों के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती मांग को दर्शाती है.

पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने कैशलेस स्वास्थ्य बीमा दावों के प्रसंस्करण के लिए विशिष्ट समयसीमा निर्धारित की है.

आईआरडीएआई द्वारा कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन एक घंटे के भीतर और अंतिम स्वीकृति - तीन घंटे के भीतर किए जाने के निर्देश हैं.

इन समय-सीमाओं का उद्देश्य देरी को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को समय पर चिकित्सा देखभाल मिल सके .

> आईआरडीएआई के 2024 के नियमों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि बीमा उत्पादों का मूल्य निर्धारण सभी प्रासंगिक जोखिम कारकों के आधार पर उचित रूप से किया जाए और वे व्यवहार्य और मूल्य-संचालित बने रहें, साथ ही नियुक्त बीमांकिक द्वारा विश्वसनीय डेटा और ग्राहक प्रतिक्रिया का उपयोग करके आवधिक समीक्षा की जाए. वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में दावों की संख्या के आधार पर निपटाना क्रमश- 85 .66 प्रतिशत, 82 .46 प्रतिशत और 87 .50 प्रतिशत था.

रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ रुपया

मुंबई, 26 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये की गिरावट बुधवार को भी जारी रही और यह 20 पैसे टूटकर 93.96 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ. भारतीय मुद्रा ने आज 94.13 रुपये प्रति डॉलर तक टूटकर बीच कारोबार के निचले स्तर का भी नया रिकॉर्ड बनाया. पिछले कारोबारी दिवस पर यह 23 पैसे गिरकर 93.76 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा. यह 18 पैसे नीचे 93.94 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. यह ऊपर 93.86 रुपये प्रति डॉलर और नीचे 94.13 रुपये प्रति डॉलर पर तक गया. बाद में बैंकों की ओर से डॉलर की बिकवाली बढ़ने से रुपये को थोड़ा सहारा मिला. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में रही तेजी से रुपया कमजोर हुआ है.

भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर ऊंची रहेगी

नई दिल्ली, 26 मार्च. भारत के प्रमुख उद्योग मंडल एसोचैम का अनुमान है कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक संकटों के चलते आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान से वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर मंद हो सकती है पर भारत आंतरिक उपभोग और निवेश मांग की बदौलत अगले वित्त वर्ष 2026-**27 सात प्रतिशत से ऊपर की तेज गति से वृद्धि की राह पर बना रहेगा.**

एसोचैम का मानना है कि 2026 में वैश्विक वृद्धि दर नरम पड़ कर 3 प्रतिशत से नीचे रह सकती है. संगठन ने आगाह किया है कि चूँकि रुपये के मूल्य में काफ़ी गिरावट आई है, इसलिए घरेलू बाजार में एलपीजी सिलेंडरों जैसे कुछ क्षेत्रों में ऊर्जा की कीमतें भी बढ़ी हैं और इसका असर आने वाले समय में महँगाई के रुझानों

पर देखने को मिलेगा. उद्योग मंडल ने गुरूवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया युद्ध के असर को कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम असरदार और सही समय पर हैं. एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल के. मिंडा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी में 7.6 प्रतिशतकी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है.मिंडा ने कहा कि पिछले कई सालों से सुधारों के ज़रिए सरकार का मजबूत समर्थन बिज़नेस के भरोसे को बढ़ाता है. घरेलू खपत का रुझान कई सालों के सबसे ऊँचे स्तर पर है.

> एसोचैम का कहना है कि 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगभग 7 .6 प्रतिशत पर अपरिवर्तित बना हुआ है, और आने वाले वित्त वर्ष, 2026-27 में 7 प्रतिशत से ज़्यादा की वृद्धि की उम्मीद है भू-राजनीतिक और अमेरिका में ऊंचे शुल्क से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद, भारत की वृद्धि दर पिछले तीन सालों में सात प्रतिशत से ज़्यादा की रही है . फरवरी 2026 के महीने में भारत का विनिर्माण क्षेत्र संबंधी परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 56 .9 और सेवा क्षेत्र पीएमआई 58 .1 पर रहा जो दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका , चीन और जर्मनी) में सबसे ज़्यादा रहे .

जियो फाइनेंशियल- एलियांज की साझा रीइंश्योरेंस कंपनी शुरू

मुंबई, 26 मार्च. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और एलियांज़ ग्रुप के संयुक्त उद्यम एलियांज़ जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड ने भारत में अपना कारोबार शुरू कर दिया है.

गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी को भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण से गत 12 मार्च को अंतिम नियामकीय मंजूरी मिली द्वष्थी. मुंबई स्थित यह संयुक्त उद्यम जियो फाइनेंशियल की स्थानीय पहुंच और डिजिटल नेटवर्क को एलियांज़ की वैश्विक अंडरराइटिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़कर बीमा कंपनियों को जोखिम प्रबंधन क्षमता उपलब्ध कराएगा. जियो फाइनेंशियल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हितेश सेठिया ने कहा कि यह एलियांज़ के साथ व्यापक बीमा साझेदारी की दिशा में पहला कदम है. एलियांज़ के बोर्ड सदस्य क्रिस टाउनसेंड ने कहा कि साझा उद्यम भारत के बीमा बाजार के लिए दीर्घकालिक रीइंश्योरेंस समाधान विकसित करेगी. कंपनी की अगुवाई सोनिया रावल करेंगी. कंपनी का कहना है कि' 2047 तक सबके लिए बीमा' के लक्ष्य के बीच रीइंश्योरेंस क्षमता बढ़ाना सेक्टर की वृद्धि के लिए अहम होगा.

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 26 मार्च. देश में सामान्य पेट्रोल और डीजल के दाम गुरुवार को अपरिवर्तित रहे. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही. सामान्य पेट्रोल-डीजल के मूल्य में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है. इस बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल में तेजी रही और लंदन का ब्रेंट क्रूड का मार्च वायदा डेढ़ फीसदी से ज्यादा चढ़कर 104 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया. कच्चे तेल में तेज उछाल के बाद इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था.

हर दिन 50 लाख से ज्यादा सिलेंडरों की आपूर्ति

नई दिल्ली, 26 मार्च. पेट्रोलियम मंत्रालय ने रसोई गैस सहित देश में जरूरी पेट्रोलियम उत्पादों की कमी का तथ्यों के साथ खंडन करते हुए कहा है कि कुछ तत्व जनता को भ्रमित करने के लिए गलत सूचनाएं फैला रहे हैं. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को साफ तौर पर कहा कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है.

मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी की पूरे एक महीने की आपूर्ति की व्यवस्था पक्के तौर पर कर ली गई है, और अतिरिक्त खरीद को लगातार अंतिम रूप दिया जा रहा है. तेल कंपनियां हर दिन 50 लाख से ज़्यादा सिलेंडरों की सफलतापूर्वक आपूर्ति कर रही हैं. उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट में की

गई ज़्यादा मांग के कारण सिलेंडरों की मांग बढ़कर 89 लाख तक पहुँच गई थी, जो अब फिर से घटकर 50 लाख सिलेंडरों पर आ गई है. सरकार के अनुसार जमाखोरी या कालाबाज़ारी को रोकने के लिए, राज्य सरकारों के परामर्श से कमर्शियल सिलेंडरों का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है. मंत्रालय ने इस दावे को गलत बताया है कि एलपीजी की कमी के कारण पीएनजी को बढ़ावा दिया जा रहा है, एक गलत जानकारी है.

> देश में कहीं भी पेट्रोल, डीज़ल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है . मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि कि वे जान-बूझकर फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के एक शरारती और सुनियोजित अभियान से गुमराह न हों . मंत्रालय ने कहा है कि कुछ पंपों पर घबराहट में खरीदारी की जो इक्का-दुक्का घटनाएं सामने आईं, वे सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो के ज़रिए जान-बूझकर फैलाई गई गलत सूचनाओं की वजह से हुई है . भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनरी केंद्र है और पेट्रोलियम उत्पादों का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है, जो 150 से ज़्यादा देशों को रिफाइंड ईंधन की आपूर्ति

स्टार्टअप्स को मिलेगा बढ़ावा

डिजिटल इनोवेशन और गेमिंग सेक्टर को मिलेगा बल

भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के तहत नवाचार चुनौतियों का आयोजन

नई दिल्ली, 26 मार्च. देश में स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप, नवोन्मेषकों और उद्यमियों को समर्थन देने के लिए एक डिजिटल मनोरंजन कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं.

इस सहयोग के तहत, डीपीआईआईटी निजी क्षेत्र की क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के तहत नवाचार चुनौतियों के आयोजन की संभावनाओं का पता लगाएगा. इसके साथ ही गेम डिजाइन, एनीमेशन, इमर्सिव टेक्नोलॉजीज, ई-स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों जैसे क्षेत्रों में लक्षित हैकाथॉन, कार्यशालाओं और मास्टरक्लास के आयोजन भी किए जाएंगे.

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि इस सहयोग का उद्देश्य डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स, इंटरैक्टिव मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले उत्पाद स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है. इसका लक्ष्य संरचित उद्योग सहभागिता के माध्यम से स्टार्टअप्स को बढ़ाने और उद्योग-प्रासंगिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है. इस पहल के तहत, स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, उद्योग जगत की जानकारी, ज्ञान आदान-प्रदान के प्लेटफॉर्म और चुनिंदा सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे.

> इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह सहयोग भारत की डिजिटल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है . उन्होंने कहा कि इस तरह की साझेदारियां स्टार्टअप्स को उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नवाचार करने, विस्तार करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधान विकसित करने में सक्षम बनाती हैं .

सोना-चांदी के दाम में जोरदार उछाल

1 .46 लाख पर पहुंचा सोना

2 .35 लाख पर आई चांदी

नई दिल्ली, 26 मार्च. देश में सोने-चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल देखने को मिला है, जिसने निवेशकों और खरीदारों दोनों का ध्यान खींचा है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत 1 ग्राम पर 6, बढ़कर 1.46 लाख तक पहुंच गई है.

वहीं चांदी भी 10,000 की छलांग लगाकर ?2.35 लाख प्रति किलो पर पहुंच गई है. इस तेजी ने बाजार में हलचल मचा दी है, खासकर ऐसे समय में जब निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं. सोना लंबे समय से एक सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है, और मौजूदा परिस्थितियों में इसकी मांग लगातार बढ़ती नजर आ रही है. हालांकि, इतनी ऊंची कीमतों के बीच सवाल यह भी उठता है कि क्या अभी निवेश करना सही रहेगा या इंतजार करना बेहतर होगा. देश में कीमती धातुओं की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल दर्ज किया गया है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 25 मार्च को 24 कैरेट सोने की कीमत 10 ग्राम पर 6,000 बढ़कर 1.46 लाख तक पहुंच गई. वहीं, चांदी की कीमत में 10,000 की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह 2.35 लाख प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है.

बंद रहे शेयर और मुद्रा बाजार

मुंबई, 26 मार्च. रामनवमी के अवकाश के कारण गुरुवार को शेयर और मुद्रा बाजार बंद रहे.

कारोबारियों ने बताया कि अवकाश के कारण आज शेयर बाजारों में कोई कारोबार नहीं हुआ. शेयर बाजारों के मुद्रा और डेरिवेटिव समेत सभी प्लेटफॉर्म बंद रहे. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में भी कामकाज बंद रहा. इस बीच आज ज्यादातर प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में फिलहाल गिरावट है. कारोबारियों ने बताया कि शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में सामान्य कारोबार होगा.

एयर इंडिया ने छह साल बाद रोम के लिए शुरू की उड़ान

नई दिल्ली, 26 मार्च. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने छह साल के अंतराल के बाद इटली की राजधानी रोम के लिए उड़ान की शुरुआत की है. एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई123 बुधवार को दिल्ली से रोम के फिउमिचिनो हवाई अड्डे के रवाना हुई.

यह नॉन स्टॉप उड़ान सप्ताह में चार बार है. रोम यूरोप की मुख्य भूमि में एयर इंडिया का आठवां और मिलान के बाद इटली का दूसरा गंतव्य बन गया है. एम्स्टर्डम, कोपेनहेगन, फ्रैंकफर्ट, मिलान, पेरिस, वियना और ज्यूरिख के लिए उसकी नॉन स्टॉप सेवाएं पहले से हैं.

रोम में भारतीय दूतावास के गणमान्य व्यक्तियों और फिउमिचिनो हवाई अड्डे के अधिकारियों और एयर इंडिया के कर्मचारियों ने उड़ान का स्वागत किया. उन्होंने रोम से प्रस्थान करने वाली उड़ान का उद्घाटन भी किया, जो गुरुवार सुबह 10-29 बजे दिल्ली पहुंची.

केरल इलेक्शन में 5 सितारों ने भरी हुंकार!

तिरुवनंतपुरम. ऐसा लग रहा है कि इस साल केरल के विधानसभा चुनावों में ग्लैमर का तड़का जमने वाला है, क्योंकि मलयालम टीवी जगत के बड़े सितारे अब एक्टिंग छोड़ राजनीति की पिच पर बैटिंग करने को तैयार हैं. 'बिग बॉस मलयालम' के एक्स-कंटेस्टेंट्स अखिल मारार और वीना नायर के चुनाव लड़ने की चर्चा अभी शांत भी नहीं हुई थी कि एक और टीवी सेलिब्रिटी की एंट्री ने सबको हैरान कर दिया है.

'वेरुथे अल्ला भार्या' फेम प्रोमी कुरियाकोस, जो एक सफल बिजनेसमैन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं, इस बार अंगमाली सीट से 'ट्वेंटी 20' पार्टी की ओर से अपनी किस्मत आजमाएंगे. प्रोमी और उनकी पत्नी नीता की जोड़ी टीवी पर दर्शकों की पसंदीदा रही है और अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या प्रोमी का यह 'कपल चार्म' वोटर्स के बीच भी वही जादू चला पाता है या नहीं.

टीवी से राजनीति की इस रेस में कई और नामी चेहरे भी शामिल हैं. बिग बॉस विजेता अखिल मारार ने त्रिक्काकारा सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है, तो वहीं मशहूर अभिनेत्री वीना नायर एट्टुमनूर से चुनावी मैदान में उतर रही हैं. ये दोनों ही सितारे 'ट्वेंटी 20' पार्टी को रीप्रेजेंट कर रहे हैं, जो केरल की राजनीति में एक दिलचस्प मुकाबला पैदा कर रही है. ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, लक्ष्मी प्रिया जैसे कुछ सितारों के लिए राह थोड़ी मुश्किल दिख रही है, क्योंकि कुछ कागजी उलझनों और एलिजिबिलिटी को लेकर कन्फ्यूजन की वजह से शायद वह इस बार चुनाव न लड़ पाएं. सितारों की इस भीड़ ने केरल के चुनावी माहौल को काफी रंगीन बना दिया है, जिससे युवाओं के बीच वोटिंग को लेकर काफी क्रेज देखा जा रहा है.

जनता की सेवा को तैयार सितारे!

सिर्फ नई पार्टियां ही नहीं, बल्कि कांग्रेस जैसी दिग्गज पार्टी ने भी फिल्मी सितारों पर भरोसा जताया है . मशहूर एक्टर रमेश पिशारोडी इस बार कांग्रेस के टिकट पर अपना चुनावी डेब्यू कर रहे हैं . पलक्कड़ में मीडिया से बात करते हुए पिशारोडी काफी आत्मविश्वास में नजर आए . उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि उन्हें अपनी जीत पर जरा भी शक नहीं है और वे जनता की सेवा के लिए पूरी तरह तैयार हैं . टीवी और फिल्मों के ये सितारे अब स्क्रीन की जगह सड़कों पर रैलियां करते दिख रहे हैं, जो बताता है कि 2026 का यह चुनाव सिर्फ विकास के मुद्दों पर ही नहीं, बल्कि पॉपुलर चेहरों की

कल्पना सोरेन जा सकती हैं राज्यसभा

राजनीति में बड़ा बदलाव ; दो सीटों पर हैं चुनाव

रांची. काफी कम समय में ही विपरीत परिस्थितियों में राजनीति में आकर प्रभाव कायम करने वालीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन का अगला ठिकाना राज्यसभा हो सकता है. राजनीतिक गलियारे में सुगबुगाहट है कि कल्पना सोरेन उच्च सदन का सदस्य बनकर झारखंड के मुद्दों को दिल्ली में उठाएंगी. हालांकि इसकी अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है.

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन का राज्यसभा में जाना केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक उन्नयन नहीं होगा, बल्कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और राज्य की राजनीति पर इसके कई व्यापक प्रभाव पड़ सकते हैं. कल्पना सोरेन को राज्यसभा भेजना पार्टी के भीतर एक नई नेतृत्व पंक्ति को स्थापित करने का संकेत होगा. इससे दिल्ली में पार्टी मजबूत होगी. हेमंत सोरेन के साथ उनका उभरता राजनीतिक कद संगठनात्मक स्थिरता और भविष्य की रणनीति को मजबूती दे सकता है. यह कदम पार्टी में परिवार और संगठन के संतुलन को भी साधेगा.

राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण में सीधी भागीदारी मिलती है. कल्पना सोरेन यदि उच्च सदन में जाती हैं तो झारखंड से जुड़े आदिवासी, भूमि, खनिज और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है.

> **कांग्रेस के रुख पर रहेगी नजर**
>
> हालांकि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के रुख पर भी नजर रहेगी . पार्टी नेताओं का कहना है कि अतीत में कई बार उन्होंने राज्यसभा सीटों को लेकर त्याग किया है, इसलिए इस बार एक सीट पर उनका स्वाभाविक अधिकार बनता है . असम चुनाव में सीट शेयरिंग को तालमेल नहीं होने के कारण विवाद इसे जटिल बना सकती है . संख्या बल के लिहाज से एनडीए फिलहाल पीछे है .

केसी त्यागी की घर वापसी

नई दिल्ली. लंबे अरसे के बाद केसी त्यागी ने घर वापसी की है. वे राष्ट्रीय लोक दल में शामिल हो गए हैं. दिल्ली के मावलंकर हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने इसका ऐलान किया है.

राष्ट्रीय लोकदल के नेता और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी इस मौके पर मौजूद थे. ध्यान रहे केसी त्यागी दो दशक से ज्यादा समय से जनता दल यू से जुड़े हुए हैं. शरद यादव और नीतीश कुमार दोनों के साथ उन्होंने लंबा काम किया. उससे पहले वे मुलायम सिंह की समाजवादी पार्टी में भी काफी समय रहे. लेकिन उससे पहले, बल्कि सबसे पहले चौधरी चरण सिंह के साथ उनके लोकदल में थे. वे चौधरी साहब के सबसे नजदीकी नेताओं में शामिल थे.

तभी चौधरी चरण सिंह को पोते की पार्टी में उनका शामिल होना उनकी घर वापसी है. इसमें सैद्धांतिक रूप से भी कोई विरोधाभास नहीं है. उन्होंने खुद ही कहा कि जनता दल यू और राष्ट्रीय लोकदल दोनों चौधरी चरण सिंह और समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया के सिद्धांत का पालन करते हैं. वैसे भी दोनों पार्टियां एनडीए में ही हैं.

विशेष | अपर्णा यादव-पंकज चौधरी से मुलाकात के मायने

क्या रामपुर में होगी जयाप्रदा की ग्रैंड एंट्री?

रामपुर. पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री जयाप्रदा की अचानक यूपी बीजेपी के नेताओं से हुई मुलाकात ने सियासी पारा चढ़ा दिया है. कोई उनकी राजनीतिक वापसी की बात कर रहा है, तो कोई चुनावी पिच पर फिर से चौके-छक्के लगाने की. कयास ये भी हैं कि जयाप्रदा बीजेपी संगठन में रहकर काम कर सकती हैं.

राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि अपनी कर्मभूमि रामपुर में फिर से एक्टिव होकर जयाप्रदा 2027 में चुनावी किस्मत आजमाएंगी. ऐसे में बड़ा सवाल है कि क्या सलाखों में रहकर सियासी तौर पर कमजोर हो चुके आजम खां के मजबूत गढ़ रामपुर में जयाप्रदा बीजेपी को ताकत दे पाएंगी?

एक जमाने में, सिनेमा की दुनिया में अपने अभिनय के बल पर शोहरत हासिल कर चुकीं जयाप्रदा वेस्ट यूपी की राजनीति में बुलंदी पर भी पहुंचीं थी. दिवंगत नेता अमर सिंह के कहने पर वह समाजवादी पार्टी में शामिल हुईं और आजम खां के गढ़ रामपुर से दो बार लोकसभा सांसद चुनी गईं. पहली बार 2004 में और इसके बाद 2009 में. लेकिन, आजम खां से अदावत के चलते उन्हें 2010 में सपा से निष्कासित कर दिया गया.

जयाप्रदा इसके बाद राष्ट्रीय लोकमंच में रहीं और फिर राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) का हिस्सा बनीं. बाद में वह बीजेपी में शामिल हो गईं. आरएलडी के टिकट पर जयाप्रदा ने बिजनौर से लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन वह हार गईं. साल 2019 में बीजेपी ने उन्हें रामपुर से टिकट दिया, लेकिन यहां भी जयाप्रदा को हार मिली. इसके बाद से ही जयाप्रदा सियासी मैदान में एकदम शांत थी या यूं कहें कि हाशिए पर चली गईं थी.

पंकज चौधरी और अपर्णा यादव से मुलाकात- 22 मार्च को एकाएक जयाप्रदा ने यूपी की राजधानी लखनऊ में दस्तक दी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात की. इसके बाद वह मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से भी मिलीं. इस मुलाकात ने जयाप्रदा की सियासी सक्रियता को लेकर चर्चा छेड़ दी है. उनके यूपी की सियासत में फिर से सक्रिय होने के कयास लगाए जाने लगे हैं.

> **रामपुर में कमजोर हुई आजम खां की पकड़?**
>
> वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर जोशी का कहना है कि लंबे समय से सलाखों के पीछे रहने से आजम परिवार की सियासी पकड़ रामपुर में कमजोर हुई है . यही वजह है कि उनकी लोकसभा सीट पर उनके विरोध के बावजूद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी को सपा ने टिकट दिया . मोहिबुल्लाह नदवी जीत भी गए . आजम खां की विधानसभा सीट रामपुर सदर पर बीजेपी के आकाश सक्सेना चुनाव जीत गए . उनके बेटे की स्वार सीट से अपना दल और बीजेपी के मुस्लिम कैंडिडेट विधायक बन गए .